चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..27..2..2021.... पृष्ठ संख्या..........6.......... कॉलम......1-4........

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल फसलों में विविधिकरण रहेगा मुख्य विषय

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला नौ और 10 मार्च को, प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय कोरोना काल को देखते हुए विवि ने यह फैसला लिया है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय फसलों में विविधीकरण रखा गया है। किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी : विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

ऑनलाइन स्टाल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण : मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वह अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

सह-निदेशक डा. सुनील ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केंद्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे। खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ उत्तम गुणवत्ता वाली फसलों बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी।

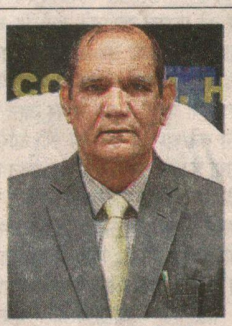

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का फाइल फोटो।

किसानों से बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने का किया आह्वान

कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 27.2.2021....पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....3-6.....

फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रोफैसर समर सिंह

हकृवि में वर्चुअल कृषि मेला 9 व 10 मार्च को

हिसार,26 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय केअधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डा. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वैब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ।

ऑनलाइन स्टॉल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वैबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डा. सुनील ढाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उन्नत व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी। मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 27.2.2021....पृष्ठ संख्या.....6.....कॉलम....1-5.....

कोरोना के चलते एचएयू का फैसला • मेले का आयोजन हो सके और किसानों को लाभ मिले, विषय-फसलों में विविधिकरण

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला 9 और 10 मार्च को

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल आयोजित करेगा। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का आयोजन हो सके और किसानों को अधिक लाभ मिल सके। 9 और 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) होगा।

वीसी ने बताया कि विश्वविद्यालय इस बार के खरीफ कृषि मेले का मख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हए हैं।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएगी प्रदर्शनी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में एचएयू के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक हुई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

ऑनलाइन स्टॉल के लिए करा सकते हैं पंजीकरण

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 27.2.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....6-7.....

वर्चुअल होगा एचएयू का खरीफ कृषि मेला : प्रो. समर

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है, ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने बताया कि इस बार 9 व 10 मार्च को आयोजित होने वाले खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय फसलों में विविधीकरण रखा गया है। पिछले साल 13 व 14 अक्तूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला (रबी) आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई। डॉ. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा, जिसके द्वारा हकृवि, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**26.02.2021**	--	--

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ

कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा)डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. सुनील ढाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल

हिसार, 26 फरवरी (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधिकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें

- फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय
- वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी

किसानों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक हुई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डॉ. सुनील ढांडा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। साथ ही वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उन्नत व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषयः प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 26 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ?र हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन 9 व 10 मार्च को

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधिकरण होगा मुख्य विषय : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था। इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस मेले का मुख्य विषय फसल अवशेषों का प्रबंधन रखा गया था, जिसके चलते प्रदेश में इस दिशा में बहुत अधिक लोग जागरूक हुए हैं। प्रदेश सरकार भी इस ओर सराहनीय कदम उठा रही हैं।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास)

के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे।

ऑनलाइन स्टॉल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा)डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डॉ. सुनील ढाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उन्नत व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी। मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**25.02.2021**	--	--

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। पिछले वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को भी वर्चुअल कृषि मेला(रबी) आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था।

प्रतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

डॉ. सुनील हाण्डा, सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी 19 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने-अपने जिलों में किसानों को इस वर्चुअल कृषि मेले से जोड़ेंगे तथा खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा। इस वर्चुअल कृषि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई व आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ उन्नत व उत्तम गुणवत्ता वाले विभिन्न फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी भी मुहैया करवाई जाएगी। मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजन समिति सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

वेब प्लेटफार्म पर लगाई जाएंगी प्रदर्शनी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वेब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

ऑनलाइन स्टॉल के लिए करवा सकते हैं पंजीकरण

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि जो सरकारी विभाग एवं प्राइवेट कंपनियां अपनी योजनाओं एवं उत्पादों को इस वर्चुअल मेले के माध्यम से देश के समस्त किसानों तक पहुंचाना चाहते हैं तो वे अपना ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे व किसानों से सीधा संवाद करके उनकी कृषि सम्बन्धित समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**26.02.2021**	--	--

'फसलों में विविधीकरण' पर आधारित होगा वर्चुअल खरीफ कृषि मेला

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दूसरी बार कृषि मेले को वर्चुअल रूप से आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उक्त फैसला कोरोना महामारी के चलते लिया है ताकि मेले का भी आयोजन हो सके और किसानों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले हर बार किसी खास विषय को लकर आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार के खरीफ कृषि मेले का मुख्य विषय 'फसलों में विविधीकरण' रखा गया है, ताकि किसान जागरूक हों और अपने खेतों से अधिक से अधिक आमदनी हासिल करें। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मेले के आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई। डॉ. हुड्डा ने बताया कि इस वर्चुअल मेले के लिए एक वैब प्लेटफार्म बनाया जाएगा जिसके द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के विभिन्न विभागों, कृषि संबंधी प्राइवेट फर्मों एवं सरकारी विभागों की वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसके अलावा वर्चुअल मेले के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान फार्म में खड़ी रबी फसलों का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय के खरीफ फसलों के बीजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकेंगे। मेला अधिकारी एवं सह निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस दो-दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले के दौरान किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न वैबीनार भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. सुनील ढाण्डा, सह निदेशक (किसान परामर्श सेवा) ने बताया कि खेती में विशेष योगदान देने वाले हर जिले के एक प्रगतिशील किसान को कृषि विज्ञान केन्द्र पर ही सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**26.02.2021**	--	--

किसान उत्पाद समूह ने किया एबिक सेंटर का भ्रमण

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरूग्राम) से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए आया थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	**26.02.2021**	--	--

स्टार्टअस के साथ–साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा एबिक

हिसार(एस.जैन)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टड अंकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एबिक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक व प्रशिक्षित करते रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**26.02.2021**	**Online**	--

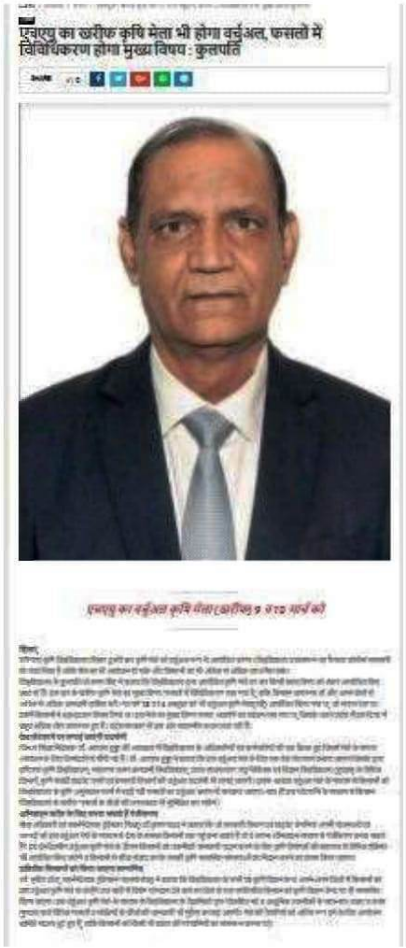

एचएयू का खरीफ कृषि मेला भी होगा वर्चुअल, फसलों में विविधीकरण होगा मुख्य विषय : कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 27.2.2021...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम....5:8.....

हकृवि के एबिक में भ्रमण करने पहुंचे सोहना के किसान

हिसार, 26 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में शुक्रवार को सोहना से 25 किसानों का एक दल भ्रमण के लिए पहुंचा। स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक केंद्र किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने में उत्सुकता दिखाई। यहां पहुंचे किसानों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

एबिक की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि गुरूग्राम के सोहना से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

किसान उत्पादक समूह सदस्यों को जानकारी देते एबिक टीम सदस्य।

जागरूक व प्रशिक्षित करने की योजना

एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मैंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टड अंकाऊंटैंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एबिक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।

कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, अमर उजाला...

दिनांक 27.2.2021...पृष्ठ संख्या...5, 5, 2...कॉलम...6-8, 3-5, 6

25 किसानों के समूह ने किया एबिक का किया भ्रमण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे है।

नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि सौहना (गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया।

गुरुग्राम के 25 किसान एचएयू के एबिक सेंटर में पहुंचे

बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल की

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ किसान उत्पादक समूहों को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र आए थे।

स्टार्टअप के साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक : डॉ. सीमा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक स्टार्टअप के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह ने शुक्रवार को बेकरी यूनिट का दौरा किया। सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में पहुंचे इस दल में 25 किसान शामिल थे। उन्होंने बेकरी के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल की। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे न्यूज	**26.02.2021**	--	--

किसान उत्पादक समूह ने किया एबिक का भ्रमण

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टर्ड अंकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एबिक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक व प्रशिक्षित करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एबिक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**26.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**26.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना(गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र

की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टड अंकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा एबिक के साथ पंजीकृत होने के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी आधुनिक तकनीकों के बारे में समय-समय पर जागरूक व प्रशिक्षित करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि सोहना से संतोष सिंह के नेतृत्व में किसानों का एक समूह ने एबिक का भ्रमण कर विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**26.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स के साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा है एबिक

सोहना से 25 किसानों के किसान उत्पादक समूह ने किया एबिक का भ्रमण

हिसार, 26 फरवरी (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरुग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम

एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को नए किसान उत्पादक समूह बनाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि एबिक की टीम उन्हें इसके लिए मेंटर से प्रशिक्षण दिलवाना, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पंजीकरण आदि विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने में मदद करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	**26.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा एबिक

हिसार, 26 फरवरी (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूहों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए एबिक में किसान उत्पादक समूह इससे संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए भ्रमण कर रहे हैं।

कृषि उद्यमियों के लिए भी मदद करेगी एबिक टीम

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि सोहना (गुरूग्राम) से किसान उत्पाद समूह जिसमें 25 किसान शामिल थे, इस बेकरी यूनिट के बारे में बारीकी से तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी हासिल करने के लिए एबिक केंद्र में भ्रमण करने आए थे। इस दौरान उन्होंने पूरी बेकरी यूनिट का भ्रमण किया और इसके अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। भ्रमण के दौरान उन्हें एबिक व विश्वविद्यालय द्वारा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व अन्य माध्यमों से की जाने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया। एबिक के तकनीकी मैनेजर एवं बेकरी यूनिट के इंचार्ज इंजीनियर अर्पित तनेजा ने बताया कि किसान उत्पादक समूह एबिक से जुडक़र अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एबिक की टीम उनकी हर संभव मदद करेगी। इसके अलावा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत समूह एबिक से जुडक़र अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**26.02.2021**	**Online**	--

स्टार्टअप्स के साथ-साथ किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा दे रहा एबिक

सोहना से25 किसानों के किसान उत्पादक समूह ने किया एबिक का भ्रमण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, अमर उजाला

दिनांक 27.2.2021 पृष्ठ संख्या 4, 3 कॉलम 7-8, 1

एचएयू में कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रो. किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डा. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय विज्ञानी डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइन्स एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है।

कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक और मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रो. किरण सिंह मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा, दैनिक भास्कर.....

दिनांक 27.2.2021...पृष्ठ संख्या.....7, 5.....कॉलम...3-4, 1.....

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार, 26 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक व मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफैसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे।

डा. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार | एचएयू के मौलिक एवं मानविकी कॉलेज 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन करेगा। यह जानकारी देते हुए कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी कॉलेज के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजेयू के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विवि के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। कई वर्ष पहले 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। ऐसे में वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयू में 28 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइन्स एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**26.02.2021**	--	--

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के

माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइन्स एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयू में कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

हिसार, 26 फरवरी (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइन्स एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**26.02.2021**	--	--

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह

जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइन्स एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**26.02.2021**	--	--

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया

कि कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्यातिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे। डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति ओर जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**26.02.2021**	**Online**	**--**

हिसार

एचएयू में 28 फरवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

SHARE 0

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा होंगे मुख्यातिथि

हिसार,
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय की ओर से 28 फरवरी को वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा मुख्य अतिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता होंगे।
महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि आज से कई वर्ष पूर्व 28 फरवरी के दिन भारतीय वैज्ञानिक डॉ. रमन सिंह द्वारा रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए 28 फरवरी को उनके इस प्रयास को भविष्य में हमेशा याद रखने के लिए वर्ष 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालजी कम्युनिकेशन द्वारा हर वर्ष विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच में विज्ञान के प्रति और जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं इस दिवस के जरिए बच्चों को विज्ञान को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 26.2.2021 पृष्ठ संख्या....3....कॉलम....1-5....

भास्कर खास • इंजीनियर व सीए की नौकरी छोड़ दो दोस्तों ने एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग ले तैयार किया स्ट्रो, विदेशों तक धूम

दो दोस्तों ने कोल्ड ड्रिंक-जूस पीने को फ्लेवर्ड स्ट्रो पाइप की तैयार, न घुलेगी, न टूटेगी, चबा कर खा सकते हैं, प्लास्टिक पाइप के नुकसान से बचेगा पर्यावरण

महबूब अली | हिसार

अब प्लास्टिक के स्ट्रो पाइप से जूस, कोल्ड ड्रिंक या अन्य पेय पदार्थ पीने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बनारस के इंजीनियर शशांक गुप्ता, उनकी दोस्त सीए सिमरन राजपूत ने पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से चार साल पूर्व नौकरी छोड़ फ्लेवर्ड स्ट्रो तैयार करने की ठानी। एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग लेकर छह फ्लेवर्ड से तैयार कीं। 9 माह तक स्ट्रो खराब नहीं होंगी। जूस से लेकर कोल्ड ड्रिंक, दूध में भी इस्तमाल होगी। स्ट्रो पेय पदार्थ में डालने के बाद भी घुलेगी नहीं। बाद में स्ट्रो को खाया भी जा सकेगा। विदेश में भी स्टा की डिमांड है।

फ्लेवर्ड स्ट्रो की खूबी: स्वादिष्ट होने के साथ मात्र 3 प्रतिशत शुगर, 9 माह तक नहीं होगी खराब, प्रोटीन से भी भरपूर

फ्लेवर्ड स्ट्रो तैयार करने वाले इंजीनियर शशाक गुप्ता और सीए सिमरन राजपूत।

प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से तैयार किया

शशांक गुप्ता बताते हैं जूस, कोल्ड ड्रिंक आदि को लोग प्लास्टिक के स्ट्रो से पीते हैं। जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। इसलिए उन्होंने फ्लेवर्ड स्ट्रो तैयार किया है। जिसे लोग पसंद कर रहे हैं।

मुंबई में शुरू किया था स्टार्टअप

नैचुरल सीरिया यूज करके स्ट्रो को बनाया है। पहले मुंबई और हरियाणा में ही डिमांड थी। अब पुणे, यूपी, केरला, चेन्नई, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्पेन, यूएस, चीन, साउथ अफ्रीका, कोलकाता में भी है।

199 रुपये में मिल सकेगा एक डिब्बा

शशांक गुप्ता बताते हैं कि फ्लेवर्ड स्ट्रो का एक डिब्बा 199 रुपये में मिल सकेगा। इसमें 20 स्ट्रो मौजूद रहते हैं। दूध, जूस या अन्य किसी पेय पदार्थ में स्ट्रो को डालकर उसका स्वाद लिया जा सकता है।

एबिक सेंटर की मदद से ही पाया मुकाम

शशांक का कहना है स्ट्रो के स्टार्टअप को शुरू कराकर मंजिल तक पहुंचाने में एचएयू के एबिक सेंटर के अधिकारियों का अहम योगदान रहा है। अभी भी एबिक सेंटर में उन्हें अब भी टिप्स दिए जा रहे हैं।

क्या है स्ट्रो: स्ट्रो एक तरह से छोटा सा पाइप होता है। जिसके माध्यम से जूस व अन्य पेय पदार्थ पीए जाते हैं।

"शशांक गुप्ता और सिमरन राजपूत का फ्लेवर्ड स्ट्रो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ 9 माह तक चलने वाला भी है। देश के साथ विदेश में भी अब स्ट्रो की डिमांड बढ़ी है। अभी दोनों को अन्य तकनीकी जानकारी भी स्टार्टअप को आगे ले जाने के लिए दी जा रही है।" – **प्रोफेसर समर सिंह,** कुलपति, एचएयू, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरण .....

दिनांक 27.2.2021....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....1-5.....

मौसम राजस्थान में बना एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन, हिसार में सामान्य से सात डिग्री बढ़ा हिसार का तापमान

हिसार में 33.6 व नारनौंद 34.2 डिग्री रहा दिन का पारा

जागरण संवाददाता, हिसार : फरवरी माह जाते-जाते दिन का तापमान अपने ही रिकार्ड तोड़ता दिख रहा है। शुक्रवार को सीजन का सबसे गर्म दिन नारनौल में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक है। अहम बात है कि फरवरी माह में 30 से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस तापमान पिछले वर्ष रहा था मगर मौजूदा समय का तापमान पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ रहा है।

इसी प्रकार हिसार में सामान्य तापमान से सात डिग्री अधिक 33.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तापमान बढ़ने का एक बड़ा कारण राजस्थान में बना एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन है।

बार-बार बदल रही हवा

मध्य भारत में पुरवाई हवा अधिक चलने के कारण एंटी साइक्लोनिक सिस्टम राजस्थान के पास बना हुआ है। जिससे बार बार हवा में बदलाव हो रहा है। पश्चिमी विक्षोभ मैदानी क्षेत्रों में न जाकर पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं, उससे हवा में बार-बार बदलाव हो रहा है।

गेहूं की बालियों पर चढ़ा हुआ पीला रंग । ● जागरण

तापमान बढ़ने से नहीं बल्कि मैग्नीज की कमी से गेहूं हो रहा पीला

खेती पूरी तरह से मौसम पर निर्भर होती है। यही कारण है कि फसलों में हल्का सा भी परिवर्तन हो तो किसान की चिंता बढ़ जाती है। राज्य में कई स्थानों से किसानों की शिकायत थी कि जब तक दिन का तापमान बढ़ा है तब से गेहूं का रंग परिवर्तित होने लगा है। यह सिलसिला 10 दिनों से चल रहा है। ऐसे में किसानों को डर है कि कहीं उनकी फसल में पीला रतुआ रोग तो नहीं फैल रहा। इसको लेकर कई किसान अभी तक चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में फोन कर चुके हैं। पहले विज्ञानियों ने समझाया फिर कुछ स्थानों पर फील्ड में जाकर देखा और किसानों को कहा कि उन्हें अभी डरने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि यह स्थिति पीला रतुआ की नहीं बल्कि गेहूं में पोषक तत्वों की कमी के कारण बनती दिखाई दे रही है।

एचएयू के गेहूं अनुभाग ने किसानों को यह दी सलाह

एचएयू के गेहूं अनुभाव के विज्ञानियों की मानें तो गेहूं में मैग्नीज पोषक तत्व की कमी दिख रही है। गेहूं की प्रारम्भिक वृद्धि अवस्था तथा गेहूं में बालियां निकलने के समय मैंग्नीज की कमी के लक्षण दिखाई देने शुरू होते हैं। पत्तियों पर भूरे-पीले रंग की धारियां पत्ती के सिरे से शुरू होकर नीचे की ओर बनती हैं, पौधों की बढ़वार कम हो जाती है। इसके साथ ही बालियां देर से व मुड़ी-तुड़ी होकर निकलती हैं।

ऐसे करें उपचार

खड़ी फसल में मैंगनीज की कमी के लक्षण प्रकट होने पर 0.5 फीसद मैंग्नीज सल्फेट के घोल अर्थात 500 ग्राम मैग्नीज सल्फेट को 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। इसके बाद भी अधिक स्थिति ठीक न हो तो कृषि विशेषज्ञों से किसान सलाह ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 27.2.2021.....पृष्ठ संख्या......3......कॉलम......2-3......

पश्चिमी विक्षोभ के कारण कल से मौसम में बदलाव की संभावना

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के कृषि मौसम विभाग के अनुसार 27 फरवरी तक प्रदेश में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में गिरावट आ सकती है। 28 फरवरी से पश्चिमी-विक्षोभ की संभावना के कारण मौसम में बदलाव होगा।

तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिन में धूप पसीने छुड़ा रही है तो रात में भी तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर गया है। शुक्रवार को अंबाला का रात्रि तापमान प्रदेश में सबसे अधिक 14.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रोहतक, सिरसा, भिवानी और अंबाला चार ऐसे जिले रहे जहां का रात्रि तापमान 14 डिग्री से अधिक रहा। सबसे कम रात्रि तापमान करनाल का 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान की बात करें तो नारनौल का अधिकतम तापमान 34.2 और हिसार का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश में सभी स्थानों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। वहीं हिसार का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।